150

संपादक
डॉ. दिलीप मेहरा

वर्ष : 9
अंक - 14

साहित्य वीथिका

ISSN : 2319-6513
जून 2019

UGC Approved Research Journal No. 47845

•

संपादक

डॉ. दिलीप मेहरा

•

परामर्शक

डॉ. पारुकान्त देसाई, डॉ. दयाशंकर, डॉ. दिनेश कुशवाहा (रीवा)
डॉ. सुरेश गढवी, तेजेन्द्र शर्मा (लंदन), डॉ. मदनमोहन शर्मा

•

संरक्षक

डॉ. मालती दुबे, डॉ. सलीन देसाई 'परवेज़'

•

सम्पादक मण्डल

डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल (उपसंपादक)
डॉ. प्रेमचन्द कंसाली
डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन
डॉ. हसमुख परमार

प्रकाशक

उत्कर्ष पब्लिशर्स & डिस्ट्रीब्यूटर्स
ए-685, आवास विकास, हंसपुरम, नौबस्ता, कानपुर - 208021
मो. 8707273195, ई.मेल- utkarshpublishers@gmail.com

•

कला सज्जा

त्र्यम्बक ग्राफिक्स, नेहरू नगर, कानपुर

व्यवस्थापकीय पता

शोभा मेहरा

यश भवन, प्लॉट नम्बर - 1423/1, शालिनी अपार्टमेंट के पीछे,
नाना बाजार, वल्लभ विद्यानगर, जि. आणंद - 388120
ई-मेल - mehradilip52@gmail.com, सचलभाष - 9426363370

पत्रिका में प्रकाशित कविता, लेखादि में अभिव्यक्त विचारों से प्रकाशक या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों के लिए न्यायालय का क्षेत्र आणंद, गुजरात होगा।

Peer reviewed bilingual bi-annual International Research Journal

सदस्यता शुल्क
वार्षिक 200 रुपये,
पंचवर्षीय 1000 रुपये,
आजीवन 2500 रुपये,
संस्था के लिए : वार्षिक 300 रुपये
आजीवन 3000 रुपये

अनुक्रमणिका

	सम्पादकीय		3
	लेखकों से		4
1.	धर्म और संस्कृति की दास्तान : 'सेज पर संस्कृत'	- डॉ. शिव प्रसाद शुक्ला	5
2.	किन्नर समाज की पीड़ा का पहला यथार्थ दस्तावेज : 'यमदीप'	- डॉ. दिलीप मेहरा	11
3.	भक्तिकाव्य : मार्क्सवादी दृष्टि से	- डॉ. संगीता चौहान	18
4.	प्रेमचंद जयंती के अवसर पर....	- डॉ. हसमुख परमार	21
5.	अनामिका और स्त्री संवेदना	- डॉ. अनिला मिश्रा	24
6.	'भाग्यवती' : यथार्थ की पृष्ठभूमि पर निर्मित नारी संवेदना की एक आदर्शोन्मुख कहानी	- डॉ. मनीषा ठक्कर	27
7.	जयशंकर प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' एवं क. मा. मुंशी कृत 'ध्रुवस्वामिनी देवी' : एक तुलनात्मक पक्ष	- डॉ. नीला चंपावत	30
8.	दलित चेतना और 'शिकंजे का दर्द'	- -प्रा. विनोद चौधरी	34
9.	वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में संतों की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा	- डॉ. सुनील डहाळे	38
10.	हिन्दी काव्य साहित्य में सैनिक	- डॉ. पार्वती जे. गोसाई	41
11.	'लौटना' उपन्यास : सुषम बेदी की कलम से	- डॉ. देव्यानी महिड़ा	44
12.	उलझे जीवन की सुलझी.गाथा : 'नदी'	- डॉ. अनु पाण्डेय	47
13.	सूर काव्य में प्रेम और भक्ति का समन्वय	- डॉ. सुरेश पी. पटेल	50
14.	कंप्यूटरीकरण, डिजिटलीकरण एवं हिंदी :चुनौतियाँ एवं समाधान	- डॉ. साकेत सहाय	53
15.	जगदीशचन्द्र के उपन्यासों में दलित सन्दर्भ	- प्रजापति दीप्ति बहन एम.	58
16.	'फाँस' उपन्यास में चित्रित आदिवासी जीवन की समस्याएँ	- बारैया किरण सिंह	60
17.	वीरेन डंगवाल के काव्य-संग्रह 'स्याही ताल' में अभिव्यक्त प्रगतिशील चेतना	- अंकित कुमार सिंह	63
18.	मेरी दृष्टि में 'शह और मात'	- विष्णुभाई आर. परमार	67
19.	स्त्री विमर्शमूलक साहित्य समीक्षा के गांधीवादी मानदंड	- डॉ. नानासाहेब गोरे	70
20.	इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के आलोक में मुक्तिबोध की लम्बी कविता 'अंधेरे में' का अनुशीलन	- डॉ. राहुल शुक्ला, अरुण कुमार	75
21.	नकलीपन में नया उमंग: नकली हिजड़ा ('तीसरी ताली' के परिप्रेक्ष्य में)	- विनोद पी.	80
22.	प्रबन्ध में सम्प्रेषण का महत्व	- ख्यालीराम	83
23.	Research Methodology in Economics What is Research?	- Dr. Mukesh K. Mistry	87
24.	Grihadaha-Depiction of conflicts in Relationship due to the Religious and Economical Discrimination	- Mr. Lalji Shiyal	90
25.	SUSTAINABLE DEVELOPMENT : NEED OF THE HOUR	- Dr. Muneer Ahmad K.	93
26.	FUTURE OF PRINT MEDIA	- Sukhdev Singh	98
27.	Comrade Gagir Singh Joga And Conferences of Punjab Riyastı Parjamandal :	- Amandeep Kaur	103